- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 जातीय गणना की सर्वदलीय बैठक में भाजपा ने आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश

03 कैलाशपति मिश्र नहीं होते तो लालू और नीतीश नहीं बनते मुख्यमंत्री

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 04 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 243

छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए केंद्र सरकार कर रही हर संभव प्रयास: मोदी

स्टील प्लांट बस्तर व आसपास के क्षेत्रों के लगभग 50,000 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केन्द्र सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर, बस्तर में लगभग 27 हजार करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया और राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आज की परियोजनाएं विकास की गति आगे बढ़ाएंगी, रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगी और राज्य में नए उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगी।

इन परियोजनाओं में रेलवे और सड़क क्षेत्र की परियोजनाओं के साथ बस्तर जिले के नगरनार में 23,800 करोड़ रुपये से अधिक के एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के स्टील प्लांट का लोकार्पण शामिल है। साथ ही उन्होंने तारोकी-रायपुर डेमू ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने रेल, सड़क, एवं हवाई अड्डे, व बिजली परियोजनाओं, परिवहन, गरीबों के लिए घरों और शैक्षणिक व स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों की परियोजनाओं में इस्पात के महत्व को रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पिछले 9 वर्षों में इस्पात उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई मजबूत तथा बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

प्रधानमंत्री ने आज नगरनार में सबसे आधुनिक इस्पात संयंत्रों में से एक के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा, 'छत्तीसगढ़ एक बड़ा इस्पात उत्पादक राज्य होने का लाभ उठा रहा है।' उन्होंने कहा कि इस प्लांट में उत्पादित स्टील देश के ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ऊर्जा देगा। मोदी ने कहा कि बस्तर में उत्पादित स्टील रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के साथ-साथ सशस्त्र बलों को मजबूत करेगा। कहा कि स्टील प्लांट बस्तर और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 50,000 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। नया स्टील प्लांट केंद्र सरकार द्वारा बस्तर जैसे जिलों के विकास को प्राथमिकता देने को नई गति भी देगा।

न्यूजक्लिक से संबद्ध लोगों के घरों पर पड़ा पुलिस का छापा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह न्यूज पोर्टल न्यूजक्लिक से संबद्ध पत्रकारों के घरों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई न्यूज पोर्टल को चीन से फंडिंग मिलने के आरोपों के सिलसिले में की गई है। पुलिस ने इस दौरान संजय राजौरा, भाषा सिंह, उर्मिलेश, अभिसार शर्मा और सोहेल हाशमी का मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए गए हैं। इन छापों पर भुवनेश्वर में एक पत्रकार वार्ता में केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं। वह नियमों के अनुसार काम करती हैं। इन छापों का औचित्य साबित करने की आवश्यकता नहीं है। अगर किसी ने कुछ भी गलत किया होगा तो निर्धारित नियमों के तहत जांच एजेंसियां उसके खिलाफ जांच और कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं।

मुंबई के दो अस्पतालों में 24 घंटे में दो बच्चों समेत 17 लोगों की हुई मौत

घाटी के शासकीय अस्पताल में दस व नांदेड़ में सात की मौत

मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने दिया जांच का आदेश

बीएनएम@मुंबई। मुंबई के दो अस्पतालों में पिछले 24 घंटे में दो नवजात शिशुओं समेत 17 लोगों की मौत हो गई है। इनमें छत्रपति संभाजीनगर में स्थित घाटी शासकीय अस्पताल में दो नवजात शिशुओं समेत दस और नांदेड़ स्थित शंकरराव चव्हाण अस्पताल में सात मरीजों की मौत हुई है। शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने इस घटना की जांच का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार छत्रपति संभाजी नगर जिले में स्थित घाटी अस्पताल में दवाओं की कमी बताई जा रही है और मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं। मरीजों के पास पैसे न होने से दवा न मिलना भी प्रमुख कारण बताया जा रहा है। इस घाटी अस्पताल में कुल 1177 बिस्तर हैं, जबकि इन बिस्तरों पर वास्तव में 1500 से 1700 मरीज रहते हैं। इस अस्पताल में प्रतिदिन 60 से 70 प्रसव होते हैं। घाटी अस्पताल में प्रतिदिन बाह्य रोगियों की संख्या 1500 से 2000 के बीच है। साथ ही रोजाना ओपीडी मरीज 200 के करीब है। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों को संभालने वाले घाटी अस्पताल में अगले 15 दिन की लिए दवा का स्टॉक रहता है। दवाओं की कमी से अस्पताल में मरीजों के मरने की संख्या बढ़ रही है।

बताया गया कि इसी तरह नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण अस्पताल में पिछले 24 घंटे में सात मरीजों की मौत हुई है, जबकि यहां 48 घंटे में 31 मरीजों की मौत हो चुकी है। इसलिए यहां भी स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर पहुंच गई है। नांदेड़ में भी मरीजों की मौत की घटना की भी जांच छानबीन की जा रही है। अस्पतालों में लोगों की मौतों पर महाराष्ट्र के मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने मंगलवार को बताया कि इन मामलों की गहन छानबीन करवाई जाएगी। सभी मरीज काफी देरी से अस्पताल में आए थे, इसलिए इन सभी को बचाया नहीं जा सका है।

केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराए : मायावती

लखनऊ। बिहार सरकार के जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद अब पूरे देश में भी जातीय जनगणना कराये जाने की मांग उठने लगी है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराना चाहिए।

मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने की खबरें आज काफी सुर्खियों में हैं। उस पर गहन चर्चाएं जारी हैं। कुछ पार्टियां इससे असहज जरूर हैं, लेकिन बसपा के लिए ओबीसी के संवैधानिक हक के लंबे संघर्ष की यह पहली सीढ़ी है। बसपा को खुशी है कि देश की राजनीति उपेक्षित 'बहुजन समाज' के पक्ष में इस कारण नया करवट ले रही है। इसका नतीजा है कि एससी, एसटी आरक्षण को निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी बनाने तथा घोर ओबीसी एवं मंडल विरोधी जातिवादी एवं साम्प्रदायिक दल भी अपने भविष्य के प्रति चिंतित नजर आने लगे हैं। यूपी सरकार को अब अपनी नीयत व नीति में जनभावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार करके जातीय जनगणना अविलंब शुरू करा देना चाहिए।

वरिष्ठ आईपीएस रश्मी शुक्ला बनी महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी

बीएनएम@मुंबई

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रश्मी शुक्ला महाराष्ट्र की पहली पुलिस महासंचालक नियुक्त किया गया है। रश्मी ने वर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश शेठ के वीआरएस लेने के बाद उनकी जगह ली है। रजनीश को महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रश्मी शुक्ला 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं।

रश्मी शुक्ला पर पिछली सरकार के कार्यकाल में अवैध फोन टेपिंग का मामला दर्ज किया गया था लेकिन इस मामले में रश्मी शुक्ला को कोर्ट ने निर्दोष करार दिया था। इसके बाद वर्तमान सरकार ने इस मामले में कोर्ट के आदेश के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की थी। रश्मी शुक्ला उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की करीबी मानी जाती हैं।

बर्तन धोए | **उन्होंने परिक्रमा में छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा की।**

राहुल गांधी ने दूसरे दिन भी की दरबार साहिब में कार सेवा, जूठे बर्तन धोए

महिलाओं के साथ सब्जी काटी और श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा

बीएनएम@चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पिछले दो दिन से दरबार साहिब में सेवा कर रहे हैं, लेकिन वह कब तक यहां रूकेंगे, इसे लेकर भी किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। मंगलवार को उन्होंने सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा की।

राहुल गांधी अपने निजी दौरे पर सोमवार को अमृतसर पहुंचे थे। यहां माथा टेकने के राहुल गांधी अमृतसर में ही रूक गए। सोमवार को रात 12 बजे तक राहुल गांधी दरबार साहिब में ही थे। इसके बाद राहुल गांधी मंगलवार को अल सुबह सेवा करने दरबार साहिब पहुंच गए। मंगलवार को वह दिन के समय भी 24 घंटे में तीसरी बार दरबार साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले लंगर घर में महिलाओं के साथ सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। उन्होंने परिक्रमा में छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा की। लोग खुद उनसे बात भी कर रहे थे और पानी भी ले रहे थे। राहुल गांधी ने पालकी साहिब के दर्शन भी किए। गुरुघर के द्वार बंद होने के बाद राहुल गांधी साफ-सफाई की सेवा में जुट गए।

जातीय गणना की सर्वदलीय बैठक में भाजपा ने आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करने की वकालत की

-नीतीश की अध्यक्षता में नौ दलों की सर्वदलीय बैठक संपन्न

पटना। जाति आधारित गणना के प्रकाशित होने के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में नौ दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में जातीय गणना की रिपोर्ट पर चर्चा की गयी और सभी दलों से राय ली गयी। भाजपा का प्रतिनिधित्व करते हुए विजय कुमार सिन्हा ने आर्थिक सर्वेक्षण जारी करने की बात कही।

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि टुकड़े-टुकड़े में ये रिपोर्ट क्यों जारी कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि एक बार आर्थिक रिपोर्ट भी जारी हो। उनका पूरा रिपोर्ट देखने के बाद ही हम कोई भी बयान देंगे। माले विधायक महबूब आलम ने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ सबको मिले। जमीन संबंधी मामले को देखा जाए। भाजपा ने जातीय गणना को रोकने की तमाम कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बैठक में शामिल होने से पूर्व कांग्रेस नेता शकील अहमद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इन आंकड़ों से देश और समाज उन्नति करेगा। कांग्रेस इसका स्वागत करती है। सभी चीजों पर सबकी सहमति जरूरी है।

बिहार सरकार ने गांधी जयंती पर जातीय गणना का रिपोर्ट जारी कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार में हिन्दू आबादी 81.9986 प्रतिशत जबकि मुस्लिम आबादी 17.7088 प्रतिशत बताई गई है। ईसाई आबादी 0.576 प्रतिशत है। इसी तरह कुल 13 करोड़ की आबादी में पिछड़ा वर्ग (3,54,63,936) 27.1286 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (4,70,80,514) 36.0148 प्रतिशत, अनुसूचित जाति (2,56,89,820) 19.6518 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति (21,99,361) 1.6824 प्रतिशत, अनारक्षित (2,02,91,679) 15.5224 प्रतिशत बताई गई है। जाति संख्या की बात करें तो यादव आबादी सबसे अधिक 14.2666 प्रतिशत है। कुर्मी 2.8785 प्रतिशत, ब्राह्मण 3.6575 प्रतिशत, बनिया 2.3155 प्रतिशत, भूमिहार 2.8683 प्रतिशत और कुशवाहा 4.2120 प्रतिशत हैं। उधर, जातीय गणना का मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई छह अक्टूबर को करेगा। चूंकि यह मामला पहले से कोर्ट में चल रहा है, इसी कारण याचिकाकर्ता ने फिर से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ता ने जल्द सुनवाई की मांग की लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह मामला पहले से 6 अक्टूबर को सूचीबद्ध है। इसलिए उसी दिन सुनवाई होगी।

बिहार एसटीईटी 2023 का रिजल्ट किया जारी, 79.9 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल हुए

बीएनएम@पटना

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) 2023 का रिजल्ट मंगलवार को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने अपने कार्यालय से जारी किया। बिहार एसटीईटी परीक्षा चार से 15 सितंबर 2023 तक आयोजित की गयी थी। परीक्षा में कुल 428387 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिसमें से कुल 3 लाख 726 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। कुल सफल शिक्षक अभ्यर्थियों की संख्या प्रतिशत 79.9 प्रतिशत है।

परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए आनंद किशोर ने बताया कि इस बार बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 15 दिनों के अंदर ही परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित किया है, जो अब तक का सबसे फास्ट जारी किया गया रिजल्ट है। परीक्षा में असफल हुए अभ्यर्थियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि जो भी परीक्षार्थी इस परीक्षा में सफल नहीं हुए हैं उन परीक्षार्थियों को निराश होने की जरूरत नहीं है। अब प्रत्येक वर्ष दो बार एसटीईटी परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

जो भी अभ्यर्थी किसी कारणवश इस परीक्षा में सफल नहीं हो पाए हों सभी फिर से तैयारी करें और बहुत जल्द अगली परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। पूरी मेहनत और लगन के साथ परीक्षा में बैठें मेहनत उनके कदम चूमेगी। अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि क्वालिफाइड और नॉट क्वालिफाइड की ही सूचना परीक्षा फल में रहेगी। मेरिट लिस्ट या मेधा क्रमांक का प्रावधान राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार इस एसटीईटी परीक्षा में नहीं किया गया है और अगली परीक्षा में भी फिलहाल विचार नहीं है।

स्वास्थ्य मेला में दो सौ मरीजों का हुआ इलाज

बीएनएम@केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के सुन्दरापुर वृति टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के परिसर में मंगलवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया के सौजन्य से आयोजित इस स्वास्थ्य मेला में करीब दो सौ मरीजों की जाँच की गई। जाँचोपरांत इन मरीजों को आवश्यक दवा दी गई। मेला में मौजूद डॉ प्रमोद कुमार ने बताया कि शिविर में आये लोगों का बीपी, सुगर, नेत्र, दाँत संबंधित सहित अन्य बीमारियों की जाँच की गई। इस क्रम में आभा कार्ड बनाने को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि संबंधित मरीजों को आवश्यक दवा उपलब्ध करायी गई। इस अवसर पर डॉ अतुल शेखर सिंह, अनुराधा, महिपाल, जीएनएम कमलेश जाट, एएनएम सुनीता कुमारी, धर्मशीला, बबली सहित अन्य मौजूद थे।

प्रश्नपत्र लीक होने के बाद बिहार सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा रद्द किया गया

बीएनएम@पटना

प्रश्न पत्र लीक होने का मामला उजागर होने के बाद केंद्रीय चयन परिषद ने बिहार सरकार की सिपाही भर्ती लिखित परीक्षा मंगलवार को रद्द कर दिया। साथ ही 07 और 15 अक्टूबर को होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा भी अगले आदेश के लिए स्थगित कर दी गई है। बीते एक अक्टूबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में सिपाही भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गयी, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

इस दौरान दोनों पालियों में बड़ी संख्या में नकल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एवं चिट-पूर्जों के साथ राज्य के विभिन्न जिलों में अभ्यर्थी पकड़े गए थे। इसके बाद अभ्यार्थियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी शिकायत पर केन्द्रीय चयन परिषद ने यह फैसला लिया है।

फिलहाल, पूरे मामले की जांच चल रही है। अनुसंधान में इस तरह के और मामले सामने आने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। इन क्रिया-कलापों के कारण परिषद की लिखित परीक्षा की प्रक्रिया पर अब सवाल भी खड़े हो गए हैं। जबकि पटना, नवादा, समस्तीपुर, भोजपुर, बक्सर,सारण, आरा समेत अन्य जिलों में भी इस तरह की अनेक शिकायतें मिली थीं।

इस मामले में कई स्थानों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। अब तक सभी जिलों में 61 एफआईआर दर्ज होने की सूचना प्राप्त है। अब इस मामले की जांच का जिम्मा आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को दिया गया है। ईओयू के एडीजी नैय्यर हसनैन खान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि इन सभी जिलों में दर्ज एफआईआर मंगवा ली गई है। विशेष टीम का गठन करके इस मामले की गहनता से छानबीन शुरू की गयी है।

मंजूर हुआ बिहार उच्च न्यायालय नियमावली-2023 एवं बिहार असैनिक सेवा न्याय शाखा नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई

कैबिनेट: महिलाकर्मी से अभद्र व्यवहार करने वाले डीपीओ को सेवानिवृत्ति सहित 14 एजेंडों पर मुहर

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में महिला कर्मी के साथ अभद्र व गंदा व्यवहार करने, अपशब्द बोलने तथा कार्य स्थल पर महिला उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के घेरे में आए मोतिहारी के तत्कालीन जिला योजना पदाधिकारी (डीपीओ) स्वामी नाथ मांझी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति के दंड सहित कुल 14 एजेंडों पर मुहर लगाई गई।

मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए कैबिनेट अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में दायर 02/ 2021 में पारित आदेश के आलोक में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के लिए अनुबंध पर 30 निम्न वर्गीय लिपिक का पद सृजित किया गया है। बिहार उच्च न्यायालय

नियमावली-2023 एवं बिहार असैनिक सेवा न्याय शाखा नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि डॉ. कलाम साइंस सिटी पटना के निर्माण एवं विकास के लिए चयनित कंसलटेंट के लिए स्वीकृत परामर्श शुल्क चार करोड़ 25 लाख रुपये एवं पुनरीक्षित परामर्श शुल्क 06 करोड़ 03 लाख 10 हजार 761 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गई है। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय पटना के लिए भवन निर्माण एवं अन्य कार्य के लिए 66 करोड़ 92 लाख 11 हजार रुपये की प्रशासनिक रूप से इसकी स्वीकृति दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी नरकटियागंज जो वर्तमान में जमुई के खैर में बीडीओ के पद पर पदस्थापित हैं उनके खिलाफ भ्रष्ट आचरण का आरोप भी प्रमाणित हो गया है। लिहाजा राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी को अनिवार्य सेवा निवृत्ति का दंड दिया गया है।

जबकि 05 फरवरी, 2020 को नरकटियागंज के तत्कालीन बीडीओ राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी अपने निजी वाहन से घर के लिए जा रहे थे। तब उनके वाहन से करीब 7 लाख रुपये कैश बरामद हुआ था। इस मामले को लेकर आर्थिक अपराध इकाई शाखा ने अपनी छानबीन शुरू की है और सरकारी नंबर जब्त कर लिया गया था। बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के भवनों की मरम्मत एवं रख-रखाव को लेकर संबंधित प्राचार्य को प्रशासनिक स्वीकृति की शक्ति दी गई है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान प्रयोगशाला सहायक तकनीकी संवर्ग नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान प्रयोगशाला सहायक विज्ञान संवर्ग नियमावली-2023 की भी स्वीकृति दे दी गई है। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय पटना में आवश्यकता के अनुरूप प्रशाखा पदाधिकारी के पूर्व में स्वीकृत तीन पदों को प्रत्यर्पित किया गया है। साथ ही पदाधिकारी और कर्मियों को मिलाकर कुल 16 अतिरिक्त पदों के सृजन करने हेतु की स्वीकृति दी गई है। 100 पशु चिकित्सालय सह आवास के भवन निर्माण के लिए प्रति पशु चिकित्सालय 107 लाख 69 हजार रुपये की दर से एक अरब सात करोड़ 69 लाख रुपये व्यय की स्वीकृति दी गई है। बिहार में प्रमंडल स्तर पर गठित किए जाने वाले सभी वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के लिए अध्यक्ष का सात पद, तथा अपर जिला परिवहन पदाधिकारी के 7 पद, एवं उच्च वर्गीय लिपिक के 7 पद, निम्न वर्गीय लिपिक के 7 पद एवं आशुलिपिक के 7 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। समस्तीपुर मंडल अन्तर्गत आने वाले दलसिंह सराय रेलवे क्रॉसिंग आरओबी निर्माण के लिए 97 करोड़ 20 लाख 83,000 राज्यांश समेत कुल 135 करोड़ 01 लाख 81,000 की अनुमानित लागत पर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

कैलाशपति मिश्र नहीं होते तो लालू और नीतीश नहीं बनते मुख्यमंत्री : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि आज बिहार में अपने को बड़े नेता कहने वाले लालू यादव एवं नीतीश कुमार आरक्षण की बात कर रहे हैं लेकिन बिहार में आरक्षण की शुरुआत में सबसे बड़ा योगदान भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक रहे कैलाशपति मिश्र का है।

मंगलवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा है कि जनसंघ के संस्थापक और भाजपा को वटवृक्ष जैसा विशाल स्वरूप बनाने वाले कैलाशपति मिश्र सामूहिक निर्णय के प्रति हमेशा समर्पित रहते थे। आज लालू यादव एवं नीतीश कुमार पानी पी-पीकर भाजपा की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन अगर हमारे नेता कैलाशपति मिश्र नहीं होते तो आज लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बन पाते।

गिरिराज सिंह ने कहा कि 1990 में लालू यादव कैलाशपति मिश्र के कार्यालय में समर्थन मांगने आए थे और उन्होंने समर्थन दिया था। लेकिन आज लालू यादव उसकी चर्चा नहीं करते हैं। कैलाशपति मिश्र ने कर्पूरी ठाकुर के साथ मिलकर समाजिक न्याय का फार्मूला बनाया। जिसमें ओबीसी और ईबीसी के साथ सवर्ण को भी तीन प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे लालू यादव ने समाप्त कर दिया। प्लेटफार्म पर सोकर पार्टी को विशाल वृक्ष बनने वाले कैलाशपति मिश्र संत थे। उन्होंने केवल आरक्षण नहीं दिया, बल्कि मंडल कमीशन लागू करने में भी उनकी बड़ी भूमिका थी। उन्होंने लालू यादव को जीवनदान दिया था, नीतीश कुमार को उनहोने मुख्यमंत्री बनाया।

अगर कैलाशपति मिश्र समर्थन नहीं करते तो चपरासी के भाई लालू आज लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव नेता नहीं होते। सामाजिक समरसता के पुरोधा और प्रतीक कैलाशपति मिश्र सब के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चले, तभी तो बीपी सिंह को भी प्रधानमंत्री बनाया। आज लालू यादव और नीतीश कुमार उनकी बात नहीं करते हैं, यह गलत है। हम सब कैलाशपति मिश्र का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। इस अवसर पर पांच अक्टूबर को पटना में भव्य समारोह आयोजित कर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

गिरिराज सिंह ने बेगूसराय के कटरमाला में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आंबेडकर सबके पूज्य हैं। डीएम-एसपी से बात कर मामले की जांच कराई जाएगी। राहुल गांधी पर हमला करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े-टुकड़े गैंग के पुरोधा हैं। जेएनयू जाते हैं तो "अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं" का नारा लगवाते हैं।

राहुल गांधी के इशारे पर ही जेएनयू के दीवारों पर घृणा भरा शब्द लिखा गया है। लेकिन उनके द्वारा लिखाए जाने से भारत से सनातन धर्म समाप्त नहीं हो सकता। कोई जातियों में लड़ाकर सनातन को समाप्त नहीं कर सकता है। राहुल गांधी महाराष्ट्र में सरकार के पास दवा नहीं रहने की बात करते हैं। जबकि वहां सभी का इलाज हो रहा है। आखिर राजस्थान में दलित बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और छत्तीसगढ़ मामले पर राहुल गांधी की जुबान बंद क्यों रहती है।

पीड़ितों को ससमय राहत मुहैया हो: डीएम

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के व्यक्तियों के प्रति सरकार एवं जिला प्रशासन संवेदनशील है। इस हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। इन प्रावधानों के तहत मामलों का निष्पादन त्वरित गति से कराना सुनिश्चित किया जाय। पीड़ितों को ससमय राहत मुहैया हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि पीड़ति परिवार, व्यक्तियों को ससमय न्याय दिलाना जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति का दायित्व है। साथ ही निर्दोष व्यक्ति को सजा नहीं मिले, इस हेतु भी सजग एवं सतर्क रहने की आवश्यकता है। ससमय जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने सहित समय पर प्रभावित परिवारों के बीच भुगतान की कार्रवाई हो, इसे सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि अनुमंडलस्तर पर अनुमंडल सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की नियमित रूप से बैठक हो तथा कार्य प्रगति से समीक्षा की जाय। जिलाधिकारी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत गठित जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

इस बैठक में गत एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन एवं व्यय, प्रतिवेदित वाद, भुगतान, नियम-15 (1) (घ) के प्रावधान से संबंधित देय राहत, नियम-11 के तहत देय राहत, विशेष लोक अभियोजक, एससी/एसटी पुलिस थाना, बेतिया एवं बगहा में दर्ज वाद आदि की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की गयी।

जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 401 लाभुकों के बीच 22531980.00 की राशि पीएफएमएस से तथा 14 लाभुकों को पेंशन मद में 850000.00 की राशि सीएफएमएस के माध्यम से दी गयी है। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2023-24 में अबतक 283 लाभुकों के बीच 14127890.00 रूपये सहायता राशि प्रदान की गयी है।

भाकपा कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

मोतिहारी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, पूर्वी चम्पारण जिला परिषद् के कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को पीताम्बर भवन,न्यू चांदमारी में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाकपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य निज़ामुद्दीन खां के द्वारा की गई।2 नवंबर को पटना में आहूत भाजपा हटाओ देश बचाओ रैली की तैयारी पर विचार- विमर्श करना हीं उक्त बैठक का मुख्य उद्देश्य था। वहीं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि देश आज अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है,जो किसी बाहरी शक्ति की देन नहीं है बल्कि यह संकट उन्हीं शक्तियों के द्वारा पैदा किया गया है जिनके हाथों में आपने अपने वोटों के द्वारा देश की सत्ता सौंपी थी। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों से देश की सरकार चल रही है जिसके शासन काल का एक बड़ा हिस्सा जुमलेबाजी में बीत गया।दूसरा हिस्सा आरएसएस के

सांप्रदायिक एवं फांसीवादी एजेंडों को लागून करने में बीता, तीसरा हिस्सा देश के बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों की तिजोरियां भरने में बीता और शेष हिस्सा अपनी विरोधी आवाजों को कूचलने में बिताया। राज्य कार्यकारिणी सदस्य विजय शंकर सिंह व माध्यमिक शिक्षक संघ नेता सह जिला कार्यकारिणी सदस्य हरिश्चंद्र चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि भाजपा सरकार आम जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान की दिशा में लापरवाह है जिसके परिणामस्वरूप बेरोजगारों की फौज बढ़ती जा रही है। नौजवान वर्गों में हताशा और निराशा बढ़ रही है। कमरतोड़ महंगाई के चलते गरीबों को दाल-रोटी मयस्सर नहीं हो पा रहा है।तो दूसरी ओर पूंजीपति मालों -माल हो रहें हैं । लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता,सांझी संस्कृति,अनेकता में एकता जैसी हमारी गौरवशाली विरासत को नष्ट करने की साज़िश हो रही है।अब मोदी सरकार का विकल्प तैयार करने में विपक्षी पार्टीयां भी जुट गई है।अन्य वक्ताओं में जिला मंत्री विश्वनाथ यादव, राज्य कार्यकारिणी सदस्य रामबाबू कुमार, सहायक जिला मंत्री कन्हैया लाल प्रसाद व राजेंद्र सिंह, सचिव किसान सभा रामायण सिंह, राधामोहन सिंह, राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी व अखिलेश सिंह प्रमुख रूप से रहें। मौके पर राज्य कार्यालय सचिव अवध किशोर सिंह, अध्यक्ष किसान सभा रामचंद्र प्रसाद,अजय कुमार सिंह,कांति देवी, बिन्दु देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

समीक्षा खासकर बांध पर बसे परिवारों का गंभीरता से सर्वेक्षण कराने का निदेश दिया गया है।

कल्याण मंत्री रत्नेश सादा ने जन कल्याणकारी योजनाएं की समीक्षा बैठक की

बीएनएम@सहरसा

विकास भवन सभागार में मंगलवार को अनु॰ जाति एवं अनु॰ जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सादा द्वारा बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। इसके तहत अभियान बसेरा-01 एवं 02, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री पेंशन योजना, अंतर्जातीय विवाह योजना एवं अनु॰ जाति एवं अनु॰ जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भुगतान की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गयी।

मंत्री द्वारा अभियान बसेरा-02 के तहत छूटे हुए परिवारों का जल्द से जल्द सर्वेक्षण करने का निदेश सभी अंचलाधिकारी को दिया गया। अपर समाहर्ता, को भी सभी प्रखंड खासकर बांध पर बसे परिवारों का

गंभीरता से सर्वेक्षण कराने का निदेश दिया गया। ताकि सभी भूमिहीन परिवारों को आवास भूमि उपलब्ध करायी जा सके मंत्री द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, सदर सहरसा एवं सिमरी बख्तियारपुर से राशन कार्ड वितरण पर भी समीक्षा की गयी। अनुमंडल पदाधिकारी, सदर सहरसा द्वारा बताया गया कि कुल-290152 राशन कार्ड धारियों द्वारा राशन का उठाव किया जा रहा है एवं सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल अंतर्गत कुल-103242 राशन कार्ड धारियों द्वारा राशन का उठाव किया जा रहा है।

जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि सरकार की योजनाओं का लाभ अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचना है। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति के समुदाय के लोगों की उनका लाभ उन्हें अवश्य प्राप्त हो।सभी पदाधिकारी इसे सुनिश्चित करेंगे। कोई भी योग्य व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

पूर्व मंत्री ब्रजकिशोर सिंह को समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

मोतिहारी। गांधी गांधी जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित समारोह में गांधी संग्रहालय मोतिहारी के सचिव पूर्व मंत्री ब्रजकिशोर सिंह को समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिला पदाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही पूर्व मंत्री सह गांधी संग्रहालय के सचिव ब्रजकिशोर सिंह को इस सम्मान के लिए लोगों ने बधाई दी और स्वस्थ्य रहने दिर्घायु होने की कामना की।बधाई देने वाले में जिला सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता राय सुंदर देव शर्मा , विनय कुमार, राजगुरु, आकाश कुमार तिवारी ,सुशील कुमार,अमरेंदर सिंह, आलोक कुमार, अमन कुमार, शशिकला ,अमित निधि, डॉ संतोष कुमार डॉक्टर आलोक कुमार आदि लोगों ने बधाई दी।

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का हड़ताल पांचवें दिन भी जारी

हरसिद्धि/तुरकौलिया।

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के बैनर तले प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका 29 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का हड़ताल का पांचवे दिन भी जारी रहा। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका ने अपने विभिन्न मांगू सहित राज कमी के दर्ज देने के लिए सरकार को सूचना दिया परंतु सरकार के द्वारा कोई कार्रवाई अभी तक नहीं की गई, जिसके विरुद्ध में प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रही है। प्रखंड अध्यक्ष प्रमिला देवी ने बताई की हड़ताल के पांचवें दिन सभी सेविका सहायिका सुनिश्चित किए गए चार पंचायत में धरना प्रदर्शन किया। मौके पर ममता कुमारी ,कल्पना देवी मधुबाला देवी, कुमारी सीमा रानी ,मंजू देवी, उर्मिला देवी, महासचिव राजेश सिंह, सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका धरना प्रदर्शन में शामिल थी।

तुरकौलिया संवाददाता के अनुसार, प्रखण्ड परिसर स्थित महिला विकास परियोजना कार्यालय के सामने बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में सेविका और सहायिकाओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल 5वें दिन भी संघ के प्रखंड अध्यक्ष विभा कुमारी की अध्यक्षता में जारी रहा।

बाल विकास परियोजना कार्यालय के सामने अपने मांगों के समर्थन में रोजाना सभी सेविका और सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ रहीं हैं। प्रखंड अध्यक्ष विभा कुमारी ने कहा कि सरकार से मांग किया जा रहा है कि आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए 25 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देना सुनिश्चित किया जाए। जबतक सरकार मांग नही मानेगी तबतक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा। मीडिया प्रभारी चंदा यादव ने बताया कि उक्त मांगों को लेकर करीब 6 माह पहले भी अनिश्चितकालीन हड़ताल किया गया था। करीब 15 दिनों तक हड़ताल चला था। इसी बीच समाज कल्याण विभाग पटना के सचिव द्वारा मांग मानने का आश्वासन देकर हड़ताल समाप्त करा दिया था।

लेकिन उनका आश्वासन कोरा झूठ निकला। सरकार अपने वादे से पलट गई। यही कारण है कि सरकार के वादाखिलाफी से आक्रोशित सेविका व सहायिकाओं ने फिर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। विगत शनिवार से हम सभी लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। जबतक सरकार सरकारी कर्मचारी का दर्जा व 25 हजार रुपए मानदेय देने की मांग को नही मानेगी तबतक हड़ताल जारी रहेगा। इस बार खोखले आश्वासन और छलावा में वे लोग पड़ने वाले नहीं हैं। एक बार वादा करके सरकार मुकर चुकी है। इधर हड़ताल में भाजपा के हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान के प्रतिनिधि के रुप में शामिल होकर कुंदन कुमार पासवान ने साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि कुंदन पासवान ने कहा कि इन लोगों का हड़ताल का वह समर्थन करते हैं। साथ ही कहा कि इनकी मांग जायज है। सेविका व सहायिका से सरकार कई तरह का काम लेती है। लेकिन मानदेय के नाम पर बहुत कम राशि दी जाती है। जो सम्मानजनक नही है। इन लोगों का आवाज़ सड़क से लेकर सदन तक उठाने की बात भी कही। सरकारी कर्मचारी का दर्जा और सम्मानजनक मानदेय देने की मांग को सरकार को मान लेना चाहिए। हड़ताल में प्रखंड अध्यक्ष विभा कुमारी, सचिव प्रतिभा देवी, कोषाध्यक्ष नीरज कुमारी, मीडिया प्रभारी चंदा यादव, जिला मीडिया प्रभारी सह वरीय उपाध्यक्ष प्रभा कुमारी, उमा देवी, रेणु देवी, उर्मिला देवी, उषा कुमारी, पूनम कुमारी सहित सैकड़ों आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका शामिल थे।

गर्भवती के मौत मामले में अवैध नर्सिंग होम का संचालक व चिकित्सक गिरफ्तार

सिकरहना। अनुमंडल के घोड़ासहन ढाका रोड में मिशन हाउस व जेएलएनएम कॉलेज गेट के पास स्थित रागिनी सेवा सदन, नर्सिंग होम में बीते रविवार को प्रसव कराने आई गर्भवती महिला रंजू देवी की हुई मौत की घटना को लेकर मृतका के पति सुनील दास द्वारा लापरवाह चिकित्सक समेत तीन लोगों पर लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी चिकित्सक सह नर्सिंग होम के संचालक समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में नर्सिंग होम संचालक सह चिकित्सक थाना क्षेत्र के महादेवा निवासी मुख्य आरोपी मुनचुन कुमार, छौड़ादानो थाना क्षेत्र के धपहर निवासी सर्जन डॉ रूपेश कुमार उर्फ मुकेश कुमार तथा पताही थाना क्षेत्र के गोनाही गांव निवासी कंपाउंडर रंजेश कुमार है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों से पूछताछ करने के उपरांत न्यायिक हिरासत में मोतिहारी जेल भेज दिया है। ज्ञातव्य है कि बीते रविवार को झरौखर थाना क्षेत्र के पिठवा निवासी सुनील दास की 23 वर्षीय गर्भवती पत्नी रंजू देवी प्रसव पीड़ा अवस्था में इलाज कराने घोड़ासहन एक निजी क्लिनिक में आई थी। जहां चिकित्सक ने रंजू देवी की स्थिति को देखते उसे मोतिहारी रेफर कर दिया। लेकिन वहां पर मौजूद रागिनी सेवा सदन नामक नर्सिंग होम के कंपाउंडर रंजेश कुमार ने अपने नर्सिंग होम में बेहतर सुविधा की हवाला दे गर्भवती महिला को वहां से बुला कर ले गया और अपने नर्सिंग होम भर्ती करा लिया।

जिसके बाद चिकित्सक की लापरवाही से जच्चा व बच्चा की मौत उक्त नर्सिंग होम में ही हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने चिकित्सक की लापरवाही से हुई मौत का आरोप लगाते वहां हंगामा करने लगे।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने हंगामा शांत कराते शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया था। बहरहाल पुलिस के इस त्वरित कार्यवाही से अवैध नर्सिंग होम का संचालन कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप व भय व्याप्त हो गया है।

टीडीसी पार्ट थ्री की परीक्षा हुई समाप्त

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर 19 सितंबर से हो रही त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम खंड-तृतीय की परीक्षा 3 अक्टूबर मंगलवार को दोनों पालियों में आयोजित होकर समाप्त हो गई। केंद्राधीक्षक प्रो.(डॉ.) अरूण कुमार ने बताया कि आदर्श परीक्षा केंद्र एलएनडी कॉलेज स्वच्छ व कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए सदा प्रसिद्ध रहा है।परीक्षार्थियों की कदाचारमुक्त परीक्षा ही उनके प्रगति-पथ का प्रकाश स्तंभ होती है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार अंतिम दिन मंगलवार को संपन्न ग्रुप सी में इतिहास व संस्कृत विषय के आठवें प्रतिष्ठा पत्र की परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में कुल आवंटित 721 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 719 उपस्थित व 2 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में संपन्न ग्रुप डी में राजनीति विज्ञान, वाणिज्य, गणित व दर्शनशास्त्र विषय के आठवें प्रतिष्ठा पत्र की परीक्षा में कुल आवंटित 753 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 747 उपस्थित व 6 अनुपस्थित रहे। अंतिम दिन किसी भी परीक्षार्थी के निष्कासन की सूचना नहीं है। द्वितीय पाली मे संपन्न राजनीति विज्ञान आंठवे ऑनर्स पत्र की परीक्षा में प्रश्न देखकर विद्यार्थियों के चेहरे खिले हुए थे। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने बताया कि इस पत्र में तीन ग्रुप होते हैं, अंतरराष्ट्रीय विधि, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन व सांविधानिक विकास तथा स्थानीय स्वशासन, जिसमें ज्यादातर विद्यार्थी स्थानीय स्वशासन ही चयनित करते हैं।

शिक्षा | महात्मा गांधी केविवि में आयोजित किया गया कार्यक्रम

एक राष्ट्र एक चुनाव पर राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक राष्ट्र, एक चुनावः संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन हुआ। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की।

मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो.कृष्ण कांत ओझा रहें। विशिष्ट अतिथि के तौर पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ अभिषेक श्रीवास्तव उपस्थित रहे । साथ ही मुख्य वक्ता के तौर पर दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजेश कुमार सिंह रहे। मुख्य अतिथि प्रो.कृष्ण कांत ओझा ने कहा कि महात्मा गांधी की कर्म भूमि पर ऐसी सार्थक चर्चा जरूर इस एक राष्ट्र एक चुनाव को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा । उन्होंने कहा कि हर युग में एक पुरुषार्थ पुरुष आता है और राष्ट्र को नई दिशा और दृष्टि देता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सबल और सशक्त बनाएगा।

राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हम सभी को मिलकर माननीय प्रधानमंत्री जी की इस राष्ट्रनिष्ठ सोच को दिशा देनी है। हमारे विश्वविद्यालय ने इसी महती उद्देश्य से इस सेमिनार की रूपरेखा बनाई और इस अति ज्वलंत मुद्दे पर एक सार्थक राष्ट्रीय विमर्श कर सकें। कुलपति जी ने इसके लिए पूरे वि वि परिवार और खासतौर पर राजनीति विज्ञान विभाग की प्रशंसा की।

कार्यक्रम से विशिष्ट अतिथि प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से एक राष्ट्र एक चुनाव के नीति निर्माण में सहायता करेगी । उन्होंने कहा कि भारत ऐसी चुनावी प्रक्रिया को आत्मसात करने वाला को पहला देश नही है इससे पूर्व में भी कई देश इस प्रक्रिया को अपना चुके हैं । यह हमें चुनावों के चक्रव्यूह से निकलने में सहायता तथा इससे चुनावी खर्च भी कम होगा।

विशिष्ट वक्ता प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय राजनीति की दुर्बलताओं को एक राष्ट्र एक चुनाव के माध्यम से खत्म कर सकते हैं । इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक हाई पावर समिति का गठन किया गया है जो इसके संभावनाओं और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नीतिनिर्माण करेगी ।

इसके पूर्व आयोजित तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न राज्यों के 215 से अधिक शोधकर्ताओं ने अपने- अपने शोध पत्रों का वाचन किया। तकनीकी सत्र में दैनिक जागरण बिहार के संपादक ब्रजेश दुबे ने कहा कि हमे अपने शक्तियों को बढ़ाने के ऊपर ध्यान देने की आवश्यकता है। चुनाव सुधारों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव की संख्या बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में भी वृद्धि होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव से भ्रष्टाचार के मामलों में भी कमी आयेगी तथा चुनाव का खर्च भी कम होगा। आखिर में उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रसार होना जरूरी है। वहीं सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. साकेत रमण ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए अत्यंत लाभकारी होगा।

स्वागत उद्बोधन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. नरेंद्र आर्या ने दिया।अधिष्ठाता प्रो. सुनील महावर ने विषय प्रवर्तन किया। विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता तिवारी ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। डॉ. अभय विक्रम सिंह ने सेमिनार रिपोर्ट प्रस्तुत किया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. नरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के पीएचडी शोधार्थी आशुतोष आनंद ने किया।

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 04 October 2023

Editorial

न्यूज़क्लिक पर तगड़ा फ्लिक

विदेश से मिले फंड खास तौर पर चीन से मिले पैसों के खुलासे के बाद विवादों से घिरे इंटरनेट समाचार सूचना प्लेटफार्म देश के न्यूज़क्लिक पर दिल्ली पुलिस ने तगड़ा फ्लिक किया है। दिल्ली पुलिस ने इससे संबद्ध नोएडा और गाजियाबाद समेत कुछ स्थानों पर दबिश दी है। इसके कर्ता-धर्ता यानी प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ हैं। पुरकायस्थ को इससे पहले दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित पत्रकारों को लिया है। इनमें पुरकायस्थ के अलावा अभिसार शर्मा, उर्मिलेश, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंद्यो चक्रवर्ती और सोहेल हाशमी हैं। इसकी वजह यह है कि यह सभी न्यूज़क्लिक से किसी न किसी तरह संबद्ध हैं। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जुलाई को प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुरकायस्थ को अधिकारियों के निर्देशों के मुताबिक जांच में सहयोग करना होगा। न्यूज़क्लिक के वित्तपोषण की गूंज इस साल संसद के मानसून सत्र में हो चुकी है। सात अगस्त को लोकसभा में भाजपा के निशिकांत दुबे ने न्यूज़क्लिक को मिलने वाली चाइना की फंडिंग का मुद्दा जोरशोर से उठाया था। यह वही दिन है जब राहुल गांधी सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे थे। दुबे ने कहा था कि देश में पड़ोसी देश के पैसे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूज़क्लिक में पड़ोसी देश से पैसा आया। इस पर कांग्रेस ने काफी बवाल किया। आखिर में दुबे की टिप्पणी के कुछ अंश हटाए गए। विरोध की लपटें शांत न होने पर केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर को सामने आना पड़ा।

खिलौना उद्योग में भारत की धमक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मजबूत इच्छाशक्ति से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। इसका जीता जागता उदाहरण देश का खिलौना उद्योग है। यह अभी कल की ही बात लगती है जब भारत 20 हजार करोड़ रुपये के खिलौने अकेले चीन से आयात करता था। कोरोना के बाद बदली परिस्थितियों में चीन को लेकर दुनिया के देशों का मोहभंग हुआ और उसके बाद हालात यह होने लगे कि दुनिया के देश चीन और उसकी नीतियों को हिकारत की दृष्टि से देखने लगे। सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और सरकार के एक आह्वान और सकारात्मक नीतियों का परिणाम यह रहा कि देश में खिलौना उद्योग ने रफ्तार पकड़ी। हालात में तेजी से बदलाव का ही परिणाम है कि आज भारत में खिलौना उद्योग तेजी से फलने-फूलने लगा है। देशी बाजार में स्वदेशी खिलौनों की मांग बढ़ी तो विदेशी बाजार में भी भारतीय खिलौनों की तेजी से मांग बढ़ी है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इसमें प्रमुख कारण खिलौना उद्योग के लिए प्रोत्साहन नीतियां प्रमुख कारण रहीं। आयात शुल्क बढ़ाने के साथ ही सरकार प्रोडक्शन लिंक इंसेटिव स्कीम लागू कर उद्योग के विकास में सहभागी बनी। आज 12 प्रतिशत विकास दर के साथ खिलौना उद्योग बढ़ रहा है। यह चक्रवृद्धि विकास दर है। इसे भारतीय खिलौना उद्योग के लिए शुभ संकेत ही माना जा सकता है। देखा जाए तो खिलौना उद्योग पर चीन का एकाधिकार ही रहा है। लगभग 80 प्रतिशत बाजार चीन के पास रहा है। ऐसे में चीन के खिलौना उद्योग को चुनौती देना बड़ी मुश्किल भरा काम रहा है, पर सरकार के एक आह्वान ने सब कुछ बदल कर रख दिया। केन्द्र व राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से देश में खिलौना उद्योग ने गति पकड़ ली है। पहले भारत, चीन से 20 हजार करोड़ के खिलौना आयात करता था। और अब हालात यह हो गए हैं कि आज भारत में खिलौनों का घरेलू बाजार 124.73 अरब रुपये का हो गया है। भारत से खिलौनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 2018-19 में 16.81 करोड़ के खिलौने निर्यात होते थे 2022-23 में बढ़कर 27.08 अरब डालर हो गया है। माना जा रहा है कि 2028 तक भारत में खिलौना उद्योग 249.47 अरब रुपये को पार कर जाएगा। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि जो माहौल बना और बनाया गया उसका परिणाम यह रहा कि बच्चों की पहली पसंद भी भारतीय खिलौने ही हो गए हैं। खिलौना उद्योग में आज 4000 एमएसएमई अपनी भागीदारी निभा रही है। एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एमएसएमई उद्योग देश का ग्रोथ इंजन होता है। एमएसएमई उद्योगों से जहां रोजगार के अधिक अवसर विकसित होते हैं वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होता है। होता यह है कि बड़े उद्योगों में एक सीमा तक ही रोजगार के अवसर होते हैं क्योंकि वहां टेक्नीक का अधिक उपयोग होता है तो दूसरी और एमएसएमई उद्योग में रोजगार के अधिक अवसर होने से आर्थिक व्यवस्था को नई दिशा मिलती है। स्थानीय स्तर से लेकर निर्यात तक के अवसर आसानी से उपलब्ध होते हैं। जहां तक खिलौनों का संबंध है 2600 ईसा पूर्व सुमेरियन सभ्यता के अवशेषों में मानव और पशु आकृति के अवशेष मिले हैं जिनके बारे में यह माना जाता है कि यह उस जमाने के खिलौनों के ही अवशेष हैं। 500 ईसा पूर्व अवशेष पूर्व ग्रीक के अवशेषों में खिलौनों के अवशेष देखे गए हैं। जहां तक हमारे देश की बात है रामायण-महाभारत व पुराणों में खेल-खिलौनों की बाकायदा चर्चा मिलती है। आज प्लास्टिक का दौर है तो सर्वाधिक खिलौने प्लास्टिक के ही बनने लगे हैं। हमारे यहां मिट्टी, धातु, टेरीकोट्टा, कपड़े, लकड़ी, सींग, रत्नों आदि से निर्मित खिलौने तैयार होते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

विकास की मनभावन फाग, विपक्ष का विषैला राग

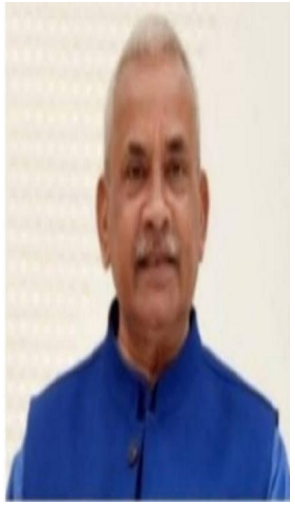

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चिंतन में स्वच्छता, ग्राम स्वराज, कृषि, पशुपालन, वंचितों का उत्थान आदि अनेक पहलू शामिल थे। वह देश को स्वतंत्र कराने के साथ ही साथ समरस और समृद्ध समाज का निर्माण भी चाहते थे, जिसमें किसी को भी जीवन की मूलभूत सुविधाओं का अभाव झेलना ना पड़े। जब वह स्वच्छता की बात करते थे, तब उसमें निरोग विषय भी शामिल हुआ करता था। नरेन्द्र मोदी सरकार ने हर घर नल से जल योजना शुरु की। यह अभियान सफल हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट में इस अभियान को बहुत लाभदायक बताया है। उसने कहा कि इससे लाखों लोगों की जान बचाना सम्भव हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश चालीस वर्षों तक मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित था। योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ जल अपूर्ति सुनिश्चित की। स्वच्छता अभियान चलाया। इससे महामारी को समाप्त किया गया। बावजूद इसके विपक्ष का ताजा एलायंस कुआं पर राजनीति कर रहा है। कुछ दिन पहले इसके एक नेता ने राज्यसभा में काव्य पाठ किया। वह राजद के प्रवक्ता है। पढ़े-लिखे लोगों में शुमार हैं। उन्होंने किसी अन्य की कविता सुनाई- चूल्हा मिट्टी का/ मिट्टी तालाब की/ तालाब ठाकुर का/ भूख रोटी की/ रोटी बाजरे की/ बाजरा खेत का/ खेत ठाकुर का/ बैल ठाकुर का/ हल ठाकुर का/ हल की मूठ पर हथेली अपनी/ फसल ठाकुर की/ कुआं ठाकुर का/ पानी ठाकुर का/ खेत-खलिहान ठाकुर के/ गली-मोहल्ले ठाकुर के फिर अपना क्या?। इसके माध्यम से वह बिहार में अपनी पार्टी का जातीय समीकरण दुरुस्त करना चाहते थे। इस काव्य पाठ से लालू यादव भाव विभोर हो गए। कहा मनोज झा विद्वान आदमी हैं। उन्होंने सही बात कही है। आनंद मोहन ने कहा यदि मैं राज्यसभा में होता तो मनोज झा की जीभ खींचकर सभापति के आसन की तरफ उछाल देता। बिडम्बना देखिए मनोज झा उस पार्टी के हैं जिसके संस्थापक ने भूराबाल साफ करो को पार्टी का उद्देश्य बताया था। उसकी राजनीति एमवाई समीकरण पर आधारित थी। आज बिहार में जो ब्राह्मण- ठाकुर हो रहा है, वह तो राजद के समीकरण में शामिल ही नहीं है। ये वही नेता हैं जो बिहार के मंत्री द्वारा श्री रामचरित मानस पर अमर्यादित टिप्पणी पर मौन थे। एलायंस के अन्य दलों द्वारा हिन्दू धर्म को धोखा बताने, सनातन के उन्मूलन पर भी ये नेता विचलित नहीं हुए थे। यही इनकी राजनीति है। ये कूपमंडूक ही बने रहना चाहते हैं। सरकार स्वच्छ जल पहुंचा रही है। ये नेता ठाकुर का कुआं कविता में अटके हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें विकास की दिशा में बहुत आगे निकल गई हैं। यह गठबंधन कुआं, जाति और मजहब से ऊपर ही नहीं उठ रहा। नमामि गंगे से प्रारंभ हुई यह यात्रा सिंचाई और पेयजल जैसी योजनाओं तक विस्तारित हैं। भारत सरकार ने वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल से जल पहुंचाना है। जल जीवन मिशन के प्रारम्भ के समय देश में जहां करीब सवा तीन करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल की आपूर्ति होती थी। अब करीब 12 करोड़ घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है। इस मिशन से गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। इस योजना से पानी की बर्बादी रुकी है। साथ ही उसके दूषित होने की सम्भावना नगण्य हो गई है। वर्ष 2015 में शुरु की गई 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' इस क्षेत्र में बड़ी पहल है। जल संरक्षण लक्ष्यों के अनुरूप यह योजना 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' सुनिश्चित करने के लिए सटीक-सिंचाई और जल संरक्षण तकनीक को अपनाने की परिकल्पना को साकार करती है। एक बार महात्मा गांधी काशी में श्रीविश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए गए थे। उन्होंने वहां पर्याप्त स्वच्छता ना होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री काशी विश्वनाथ धाम की काया पलट दी है।अब यहां स्वच्छता है। रिकार्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सही मायने में महात्मा गांधी के रास्ते पर चलते हुए विकास की बुनियाद रखी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

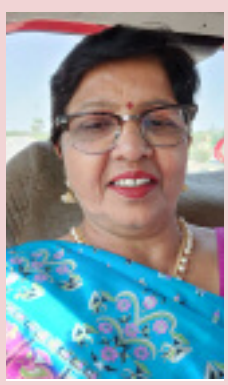

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

सेहत और त्वचा समस्याओं के लिए रामबाण इलाज है केसर का पानी

कई चमत्कारी गुणों से भरपूर केसर लंबे समय से अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा रहा है। केसर का उल्लेख आयुर्वेद में भी पाया जाता है। पकवानों और व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाला केसर हमारे स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी,एंटी-अल्जाइमर, एंटी कॉनवल्सेन्ट और एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुण कई तरह की समस्याओं में मददगार होते हैं। केसर का इस्तेमाल अस्थमा, खांसी, गले में खराश, काली खांसी जैसी कई समस्याओं के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केसर का पानी भी कई परेशानियों में आपके लिए सहायक साबित होता है। अगर नहीं, तो आज हम आपको बताएंगे केसर के पानी से होने वाले फायदों के बारे में-

त्वचा के लिए फायदेमंद

केसर आपकी त्वचा के लिए बेहद गुणकारी होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर केसर स्किन में मौजूद टॉक्सिन को बाहर निकालने में मददगार है। केसर का पानी पीने से स्किन हाइड्रेट रहती है और इसे पोषण भी मिलता है। इसके अलावा इसके सेवन से कील,मुंहासे,फुंसी समेत कई अन्य समस्याएं दूर रहती हैं।

पीरियड्स के दर्द में कारगर

केसर का पानी माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं में भी काफी आराम दिलाता है। अगर आपको पीरियड्स की वजह काफी दर्द होता है, तो इसके लिए आप केसर का पानी पी सकते हैं। साथ ही अगर आपको हैवी पीरियड्स नहीं आ पा रहे हैं, तो इसके लिए भी केसर का पानी उपयोगी साबित होगा।

हेयरफॉल रोकने में असरदार

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग अक्सर परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो इसके लिए केसर का पानी पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट न सिर्फ हेयरफॉल को रोकते हैं, बल्कि बालों के रोम को मजबूत बनाकर इन्हें बढ़ने में मदद करता है।

शुगर क्रेविंग करें कंट्रोल

अक्सर खाना खाने के बाद कई लोगों को मीठा खाने की क्रेविंग होती है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा खाना हमारी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। ऐसे में अगर आप अपनी शुगर क्रेविंग को कंट्रोल करना चाहते हैं, तो इसके लिए सुबह केसर का पानी पीना काफी फायदेमंद होगा।

चाय-कॉफी का बेहतर विकल्प

ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि वह अपने दिन की शुरुआत एक कप चाय या कॉफी से करते हैं। लेकिन खाली पेट सुबह चाय या कॉफी का सेवन आपकी सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। ऐसे में अगर आप सुबह के लिए चाय या कॉफी का कोई विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो इसके केसर का पानी बढ़िया विकल्प है। इसे पीने से आप पूरे दिन रीफ्रेश फील कर पाएंगे।

बालों को मजबूत, घना और शाइनी बनाने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

खानपान में गड़बड़ी, बढ़ते प्रदूषण, खराब जीवनशैली के कारण बालों से जुड़ी समस्याएं अब लोगों में आम हो चुकी हैं। कम उम्र में बाल सफेद होना हो या असमय बाल झड़ने की समस्या हर तीसरा व्यक्ति इन परेशानियों का शिकार है।

खराब पोषण के कारण भी बालों से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। हेयर फॉल, बाल सफेद होने की समस्या या बालों से जुड़ी दूसरी तमाम समस्याओं के लिए मार्केट में कई तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल या प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके बालों को कई नुकसान पहुंचा सकते हैं। बालों से जुड़ी समस्याओं के खतरे को कम करने के लिए कुछ ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। आइए आज इस लेख में जानते हैं बालों के लिए फायदेमंद ऐसे ही ड्रिंक्स के बारे में।

बालों के लिए फायदेमंद ड्रिंक्स

बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से कुछ ड्रिंक्स का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। लोग अक्सर सुबह उठते ही चाय या कॉफी और कई तरह के कैफीन युक्त ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। इन ड्रिंक्स के सेवन से आपके बालों को कई नुकसान हो सकता है।

1. एलोवेरा जूस का सेवन

एलोवेरा जूस का सेवन करने से आपके बालों को बहुत फायदे मिलते हैं। एलोवेरा जूस में विटामिन सी, विटामिन ई, बीटा कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसका नियमित रूप से सेवन करने से आपके बाल स्ट्रांग होते हैं और उनकी चमक बढ़ती है। इस जूस का सेवन करने से आप दिन भर एनर्जेटिक भी रहेंगे।

2. कीवी का जूस

कीवी का जूस पीने से आपको कई अनोखे फायदे मिलते हैं। कीवी में मौजूद विटामिन ई और अन्य पोषक तत्व बालों को मजबूत और घना बनाने में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

3. आंवले का जूस

आंवला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। आंवले में मौजूद गुण और पोषक तत्व आपको कई गंभीर बीमारियों और परेशानियों से बचाने का काम करते हैं। आंवले का जूस पीने से आपको हेयर फॉल की समस्या में भी फायदा मिलता है।

बालों से जुड़ी समस्याओं में आंवले का जूस पीने से बहुत फायदा मिलता है।

4. पालक का जूस

पालक का जूस भी आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पालक में आयरन, बायोटिन आदि की पर्याप्त मात्रा होती है। बालों को मजबूत, घना और शिल्की बनाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है।

बालों को हेल्दी, मजबूत और शाइनी बनाने के लिए ऊपर बताये गए ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इनका सेवन करने से आपके बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है और बाल हेल्दी होते हैं।

शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है।

आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकेत देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

BNM Fantasy

Wednesday
04 October 2023

उर्फी जावेद ने कर ली सगाई?

सोशल मीडिया पर अपने अतरंगी फैशन को लेकर चर्चा में रहने वाली उर्फी जावेद की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि, उर्फी ने इस बारे में कुछ भी पोस्ट नहीं किया है, लेकिन कुछ फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि कहीं उर्फी ने सगाई तो नहीं कर ली है। फोटो में उर्फी काले कपड़ों में नजर आ रही हैं, लेकिन बगल में बैठे युवक का चेहरा छिपा हुआ है। दोनों के सामने हवन चल रहा है। उर्फी के माथे पर तिलक भी लगा है। फोटो देखकर लग रहा है कि उर्फी या तो युवक की उंगली में कुछ लगा रही हैं या फिर उसके हाथ में कुछ बांध रही हैं। फोटो वायरल होने के बाद लोग कमेंट कर उर्फी को शुभकामनाएं दे रहे

क

कई सालों बाद साथ दिखे श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और एक्टर आदित्य रॉय कपूर की ऑनस्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी पहली बार फिल्म 'आशिकी-2' में साथ नजर आई थी। फिल्म 'ओके जानू' के बाद उनके फैंस इस जोड़ी को एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। इस तरह सोशल मीडिया पर आदित्य-श्रद्धा का नया वीडियो वायरल हो रहा है। श्रद्धा और आदित्य दोनों एक ही समय पर टी-सीरीज के गणपति बप्पा के दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान पपराजी ने आदित्य को बताया कि श्रद्धा भी वहां मौजूद हैं। मुलाकात के बाद दोनों ने मुस्कुराते हुए एक-दूसरे को गले लगाया और एक-दूसरे से सवाल पूछे। दोनों का ये वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसी अफवाहें थीं कि 'आशिकी-2' के बाद आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन 2015 में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने कहा था, "हम दोनों अच्छे दोस्त हैं और हमेशा रहेंगे।" इस वायरल वीडियो पर नेटिज़ेंस ने पूछा, "आदित्य-श्रद्धा जल्द ही एक साथ फिल्म करेंगे", "अनन्या क्यों नही आईं?" ऐसी अफवाह है कि आदित्य रॉय कपूर फिलहाल स्टारकिड अनन्या पांडे को डेट कर रहे हैं। स्पेन में दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

बोलीं- कैमरा हमेशा से मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा

जान्हवी कपूर ने बचपन को किया याद

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी निजी जिंदगी या फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जान्हवी ने अपनी निजी जिंदगी की एक घटना के बारे में बड़ा खुलासा किया। यह घटना तब घटी जब वह महज 10 साल की थीं। चौंकाने वाली घटना तब हुई जब पपराज़ी ने सबसे पहले उसकी तस्वीरें लीं। जान्हवी ने कहा, "कैमरा हमेशा से मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है। जब हम बच्चे थे तो हम बाहर जाते थे और लोग हमारी अनुमति के बिना हमारी तस्वीरें लेते थे। जब मैं दस साल की थी और चौथी कक्षा में थी, मेरी एक तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई। जब मैं कंप्यूटर लैब में गई, तो मैंने कंप्यूटर स्क्रीन पर अपनी पपराज़ी की तस्वीर देखी। जान्हवी ने कहा कि वह बचपन में असहज रहती थीं। इसलिए उसके दोस्त उससे दूर रहते हैं। "मुझे नहीं लगता कि वे मुझे समझ सकते हैं। वे मुझे पसंद नहीं करना चाहते। मुझे समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है? जान्हवी ने इन्टरव्यू कहा,"मेरे दोस्त मुझे अलग नजरिए से देखते थे, मैं वैक्सिंग नहीं करती थी, इसलिए वे मेरा मजाक उड़ाते थे।" उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा,"जब मेरी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई तो मैं हैरान रह गई। किसी ने मेरी तस्वीरें संपादित कीं और उन्हें वयस्क पेजों और अश्लील साइटों पर पोस्ट कर दिया। बाद में मैंने वह तस्वीर लगभग हर वयस्क पेज पर देखी। ये देखकर मैं हैरान रह गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि लोगों ने उन संपादित तस्वीरों को असली मान लिया। आजकल AI (Artificial Technology) इन चीज़ों को बड़े पैमाने पर बढ़ा रही है। जान्हवी ने कहा,"यह चिंता का विषय है।"